एम.ए. हिंदी (उत्तरार्द्ध)
प्रथम प्रश्न–पत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100

निर्देश :

1. पहले प्रश्न में खण्ड 'क' (I) में निर्धारित कवियों से संबंधित पाठ्य पुस्तकों में से एक–एक व्याख्या पूछी जाएगी, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन की व्याख्याएं करनी होंगी। प्रत्येक व्याख्या दस अंकों की होगी तथा पूरा प्रश्न दस अंकों का होगा।
2. खण्ड 'क' (II) में निर्धारित आलोच्य विषयों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 15-15 अंकों का होगा।
3. छठे प्रश्न में खण्ड 'ख' से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को पांच प्रश्न (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का और पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
4. सातवें प्रश्न में दस अति लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में), देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

पाठ्य विषय

1. **सूरदास:** भ्रमरगीत सार–सम्पादक: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

   भक्ति–भावना, शृंगार वर्णन, भ्रमरगीर परम्परा, सूर के भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य, सहृदयता और भावुकता, सूर की राधा, रीतितत्व।

   पाठ्यपद–21 से 70 = 50 पद

2. **तुलसीदास**

   भक्ति–भावना, सामाजिक, सांस्कृतिक दृष्टि, लोकमंगल की भावना, तुलसीदास की सार्थकता, मानस की प्रबन्ध कल्पना।

   रामचरित मानस: उत्तरकाण्ड (81 - 130 = 50 दोहे–चौपाइयाँ)

3. **बिहारी:** बिहारी रत्नाकर–सम्पादक: जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

   मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी, सतसई परम्परा और बिहारी, शृंगार वर्णन, सौन्दर्य बोध, बहुज्ञता।

लघूत्तरी प्रश्नों के लिए निर्धारित कवि

अमीर खुसरो, जायसी, रैदास, मीराबाई, रसखान, नन्ददास, दादू, रहीम, भूषण, घनानन्द = 10 कवि